www.facebook.com\rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtriya www..rashtriyasahara.com

राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

देहरादून

शनिवार ● 2 मई ● 2020

पृष्ठ 12, वर्ष-13, अंक 4526, मूल्य ₹ 3.00

टेली कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये कृषि विशेषज्ञों ने किसानों से की वार्ता

■ उत्तरकाशी/एसएनबी।

कृषि विज्ञान केन्द्र चिन्यालीसौड़ उत्तरकाशी की ओर से डायल आउट टेलीकांफ्रेंसिंग माध्यम से कृषि विशेषज्ञों ने किसानों से सीधी वार्ता कर उन्हें कोविड 19 के बचाव के बारे में जानकारी दी। इस दौरान किसानों को खेती संबंधी नवीन तकनीक के गुर भी सिखाये गये तथा परम्परागत कृषि विकास योजना के बारे में व्यापक चर्चा करते हुए जैविक खेती को अपनाने पर विशेष जोर दिया गया।

कोरोना के बढ़ते संक्रमण के कारण लाकडाउन के चलते लोग घरों में कैद होने पर कृषि विज्ञान केन्द्र चिन्यालीसौड़ की ओर से इस स्थिति में किसानों के लिए घरों पर ही रहकर एक अनूठी पहल की गयी, जिसके तहत रिलायंस फाउन्डेशन के सहयोग से किसानों से डायल आउट टेलीकांफ्रेंसिंग के माध्यम से वार्ता सत्र का आयोजन किया गया।

सत्र की शुरुआत केन्द्र के प्रभारी अधिकारी डा. पंकज नौटियाल ने किसानों को कोविड 19 के बचाव के बारे में जानकारी देते हुई की। उन्होंने किसानों को कोरोना से बचने के उपायों के बारे विस्तृत चर्चा की। उन्होंने सभी किसानों को आरोग्य सेतु एप्लीकेशन डाउनलोड करने पर अभार व्यक्त किया गया। डायल आउट टेलीकांफ्रेंसिंग में परंपरागत कृषि विकास योजना के तहत डुंडा विकासखंड के विभिन्न ग्रामों में किये गए कार्यों की समीक्षा भी की गयी। बताया गया कि इस योजना के तहत ओल्या, डांग, मसोन, जसपूर आदि गांवों में लगभग 50 वर्मीकम्पोस्ट पिटो का निर्माण कृषि विज्ञान केन्द्र ने किया।

कोविड 19 के बचाव के बारे में दी जानकारी

खेत संबंधी नवीन तकनीक के गुर भी सिखायेंगे

कृषि वैज्ञानिकों ने जैविक खेती अपनाने पर दिया जोर

वार्ता सत्र में किसानों से कृषि से जुड़े तमाम महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत की गयी तथा आने वाले समय में किये जाने वाले कृषि संबंधी कार्यों के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी। इस दौरान किसानों ने विभिन्न विषयों को लेकर प्रश्न भी पूछे गए जिनका विशेषज्ञों ने उत्तर देते हुए निराकरण किया। डायल आउट टेलीकांफ्रेंसिंग के माध्यम से विशेषज्ञों ने रबी की फसल की कटाई, खरीफ सीजन की कार्ययोजना, खेतों की तैयारी, मृदा परीक्षण, कीट एवं व्याधियों से रोकथाम, अरहर समेत नकदी फसल की बुवाई जैसे तमाम महत्वपूर्ण विषयों पर भी किसानों से विस्तारपूर्वक वार्ता की।

वार्ता सत्र में रिलायंस फाउन्डेशन के परियोजना निदेशक कमलेश गुरुरानी ने कहा कि आगे भी कृषि विज्ञान केन्द्र के सहयोग से इस तरह के डायल आउट टेलीकांफ्रेंसिंग के माध्यम से किसानों को जरूरी जानकारी देकर लाभान्वित किया जायेगा। डायल आउट टेलीकांफ्रेंसिंग में कृषि विज्ञान केन्द्र के डा. गौरव पपनै, नीरज जोशी, रोहिणी खोब्रागडे, वरुण सुप्याल, ख्याली राम, रिलायंस फाउन्डेशन के भूपेंद्र रावत, शशिकांत सेमवाल समेत परम्परागत .षि विकास योजना से जुड़े करीब लगभग 25 से अधिक प्रगतिशील कृषक शामिल रहे।

उत्तरकाशी : डायल आउट टेलीकॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वार्ता करते कृषि विशेषज्ञ व किसान।

•••• D
वर्ष 24 | अंक 67 | पृष्ठ : 12
मूल्य : छह रुपये

6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

अमर उजाला

देहरादून
शनिवार, 2 मई 2020

संक्रमण से बचने का सबसे कारगर तरीका

न हाथ मिलाएं, न लगाएं गले...दूर से नमस्कार

न्यूज डायरी

टेली कांफ्रेंसिंग से दी खेती बागवानी की जानकारी

चिन्यालीसौड़ (उत्तरकाशी)। लॉकडाउन के कारण परेशानी झेल रहे किसानों की मदद के लिए कृषि विज्ञान केंद्र चिन्यालीसौड़ द्वारा डायल आउट टेली कांफ्रेंसिंग सेवा शुरू की गई है। रिलायंस फाउंडेशन के सहयोग से शुरू की गई इस सेवा के तहत कृषि विशेषज्ञों द्वारा जिले के किसानों के साथ सीधा संवाद किया जा रहा है। शुक्रवार को केंद्र के प्रभारी डॉ. पंकज नौटियाल ने टेली कांफ्रेंसिंग कर किसानों को रबी फसल की कटाई, कीटनाशकों के प्रयोग, खरीफ फसल सीजन की कार्ययोजना और केंद्र द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। मौके पर कमलेश गुरुरानी, डॉ. गौरव पपनै, नीरज जोशी मौजूद थे।